SUCCESS STORY OF G.P. NADSAR

Assi. Engg.

Watershed Development &

Soil Conservation Bhopalgarh

Jodhpur-61(11-12) Nadsar

नाड़सर ग्राम, पंचायत समिति मुख्याल भोपालगढ़ से करीब 10 की दुरी पर हैं। जहां की औसतन वर्षा 398 मिमि हैं। नाड़सर ग्राम में iwmp परियोजना जोधपुर – 61/2011-2012 के अंतर्गत जलग्रहण विकास एवं भू सरंक्षण विभाग द्वारा जलसंचय करने के लिए विभिन प्रकार के कार्य करवाये गये हैं.

जो ग्राम व् ग्रामीणों के जलसंकट को दूर करने में उपयोगी साबित हुए हैं। जिनमें एनीकट/परकोलेशन टैंक निर्माण , टांका निर्माण (पश्चिमी राजस्थान में टांका पानी पिने के स्त्रोत के रूप में एक वरदान हैं) ,मेड़बंधी निर्माण व स्टैग्गेर्ड ट्रेन्च निर्माण के कार्य करवाये गए हैं।

कार्य करवाए जाने से पहले

ऐसा नहीं हैं कि यहाँ वर्षा नहीं होती थी लेक़िन वर्ष जल को संचय नहीं कर पाने व् लोगो में कम जागरूकता होने के कारण, आस पास के छोटे बड़े तालाब नाले ट्यूबवेल इत्यादि सूखने की कगार पर आ गए थे। पानी लेवल का भी 110 मीटर से नीचे जा चूका था। चरागाह पूरी तरह बंजर बन चुके थे। यहाँ के पशु गाय भैंस बकरी व् भेड़ इत्यादि भूख प्यास से बेहाल हो रहे थे जिसके कारण पशुपालकों को जानवरों को पालने के लिए मिलो दुर दूसरे जिलों में पड़ता था।

कार्य पूर्ण होने के पश्चात्

जलग्रहण कार्यो का निर्माण पूर्ण होने के पश्चात व् वर्षा आते ही जलग्रहण ढांचों में पानी भरने से यहां के हालात सुधारने लगे हैं। छोटे बड़े तालाब, एनीकट/परकोलेशन टैंक भरने से ट्यूबवेल कुएं कार्येशील बन गए।इस क्षेत्र में अब पानी का स्तर अब 102 -106 मीटर हैं। साथ ही स्टैग्गेर्ड ट्रेन्च निर्माण होने के कारण चारागाह की बंजर भूमि पर भी घास पनपने लगी हैं, जिसके कारन पशु गाय भैंस बकरी व् भेड़ इत्यादि भूख प्यास दोनों परेशानी एक दूर हो गईं हैं। इसका सबस बड़ा लाभ यह के पशुपालको को हुआ हैं , क्योकि अब उनको अपने पशु पलने क लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। जो खुद व् उनके परिवार के लिए अच्छा हैं।

मर्दा सरंक्षण हेतु करवाई गई staggered trench कार्य

- स्टैग्गेर्ड ट्रेन्च निर्माण
- नाड़सर ग्राम की आधी से ज्यादा सरकारी/ गोचर भूमि बंजर थी, मर्दा सरंक्षण हेतु करवाई गई staggered trench कार्य नाड़सर ग्राम की लगभग ४०० हैक्टर, बंजर भूमि जिस पर किसी प्रकार की वेजटेशन पनपने की कोई सम्भावना नहीं थी , उस पर iwmp परियोजना के तहत staggered ट्रेंच का कार्य करवाया जिसके फलस्वरूप जिसमें विभिन्न प्रकार की घास उगने लगी हैं , जिसके कारण सभी प्रकार के पशु पक्षियों को पेट भरने के लिए व पानी पिने के दूर नहीं जाना पड़ता हैं